बाहरी वायु प्रदूषण से भारत में साढ़े छः लाख मौतें

घर से बाहर होने वाले वायु प्रदूषण से दुनिया भर में 33 लाख असमय मौतें होती हैं और इनमें से 6.5 लाख अकेले भारत में होती हैं। इसी कारण से चीन में 13.5 लाख मौतें होती हैं और वह नंबर 1 पर है। *नेचर* पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में बताया गया है कि ये असमय मौतें 30 साल से अधिक के वयस्कों और पांच साल से छोटे बच्चों की हैं।

भारत में बाह्य वायु प्रदूषण से होने वाली साढ़े छः लाख असमय मौतों में से करीब 3.2 लाख मौतें तो घरों में खाना पकाने और गर्मी के लिए जलाए जाने वाले ईंधन की वजह से हैं। इसके बाद दूसरा नंबर बिजली घरों का है जिनसे होने वाला वायु प्रदूषण 90,000 मौतों के लिए ज़िम्मेदार पाया गया है।

घर से बाहर की हवा में प्रदूषण के जो सात स्रोत पहचाने गए हैं उनमें से घरेलू ऊर्जा उपयोग दुनिया भर में सबसे ऊपर है। शोध के प्रमुख मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट के जे. लेलीवेल्ड का कहना है कि घरेलू ऊर्जा उपयोग ईंधन जलाने का सबसे अकुशल तरीका है और यह जानलेवा साबित हो रहा है।

वायु प्रदूषण के स्वास्थ्य पर कई प्रतिकूल प्रभाव होते हैं। इनमें मस्तिष्क-रक्तसंचार तंत्र के रोग, हृदय रोग और हार्ट अटैक शामिल हैं। लेलीवेल्ड के मुताबिक वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों में से 75 प्रतिशत तो हार्ट अटैक व स्ट्रोक के कारण तथा 25 प्रतिशत सांस सम्बंधी बीमारियों और कैंसर के कारण होती हैं।

घरेलू ऊर्जा उपयोग में ठोस ईंधन का महत्वपूर्ण स्थान है। जहां ठोस ईंधन के जलाने से बाहरी वायु का प्रदूषण और उससे मौतें तो होती हैं, वहीं यही ईंधन घर के अंदर प्रदूषण का भी एक प्रमुख कारण है। घर के अंदर होने वाले प्रदूषण की वजह से 35.4 लाख मौतें विश्व भर में होती हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के व्यावसायिक व पर्यावरणीय स्वास्थ्य विभाग से जुड़ीं कल्पना बालकृष्णन का मत है कि वर्ष 2010 में ठोस ईंधन से होने वाले घरेलू वायु प्रदूषण की वजह से भारत में 10 लाख मौतें हुई हैं।

बाह्य वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों में अन्य ज़िम्मेदार कारक हैं: बिजलीघर (90,000 मौतें), उद्योग (42,000 मौतें), जैव पदार्थ दहन (42,000 मौतें) और भूतल परिवहन (30,000 मौतें)।

बालकृष्णन का यह भी कहना है कि घरेलू उपयोग के लिए जो ठोस ईंधन जलाया जाता है, उसके लिए उन्नत चूल्हों का उपयोग करने से बहुत फायदा नहीं होता है। उनके मुताबिक ज़रूरत ईंधन बदलने की है, चूल्हे बदलने से काम नहीं चलेगा। ***(स्रोत फीचर्स)***

2014 के स्रोत सजिल्द का ऑर्डर करें

मूल्य 200 रुपए (25 रुपए डाक खर्च)